१. आवश्यकता पर आधारित उपक्रम

(१) संस्कृति और कार्यजगत की पहचान

१.१ कक्षा की सजावट

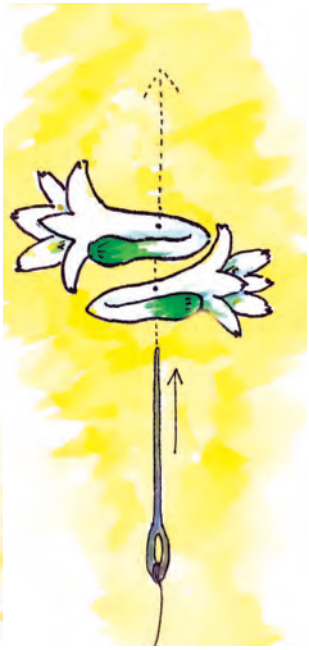

सजावट के लिए सामान्य सामग्री
(फूलों के हार, फूलों के गुच्छे)
फूल–पत्ते इकट्ठे करेंगे । उनके हार बनाएँगे । कक्षा के दरवाजे और खिड़कियों से बाँधेंगे । फूलों के कुछ गुच्छे बनाएँगे और मेज पर रखेंगे । इस प्रकार कक्षा को सजाएँगे ।

हारों को बनाने के लिए कौन–से फूल चाहिए ? गुलदाउदी, गेंदा, मोगरा, गुलाब, रजनीगंधा, तगर जैसे फूलों की मालाएँ बहुत सुंदर लगती हैं और पत्ते कौन–से लेने चाहिए? तो तगर, अशोक, आम के पेड़ों के पत्ते लेने चाहिए ।

लेकिन एक महत्त्वपूर्ण वस्तु तो रह गई !
वह कौन–सी है ?
सुई और धागा नहीं लगेगा क्या? अरे हाँ ! हारों को बनाने के लिए धागा और सुई तो चाहिए ही । वे ले आएँगे । इसके अलावा टोकरी, रद्दी, कागज, गुच्छे बनाने के लिए सीकें और कैंची की भी आवश्यकता होगी ।

इस प्रकार हार बनाएँगे :

१. सुई में लंबा धागा पिरोएँगे ।
२. रद्दी (पुराने समाचार पत्र) कागज जमीन पर रखकर उनपर फूल और पत्ते फैलाकर रखेंगे । अपनी पसंद के अनुसार अलग–अलग फूल चुनकर उनकी मालाएँ बनाएँगे ।

३. एक विद्यार्थी सुई से धागे में फूल पिरोएगा और दूसरा विद्यार्थी इन फूलों को धीरे-धीरे धागे के छोर तक ले जाएगा । एक अन्य विद्यार्थी उस छोर को पकड़कर जमीन से थोड़ा ऊपर उठाए रखेगा ।

४. इस प्रकार फूल और पत्तों के आकार और संरचना के अनुसार मालाएँ बनाएँगे । माला के बीचोंबीच एक बड़ा-सा फूल पिरो देंगे ।

इसे ध्यान में रखो :

१. मालाएँ बनाते समय हाथ में सुई को चुभने न दें ।

२. कार्य होने के पश्चात कागज अथवा धागे के बंडल में सुई खोंसकर रख दें ।

३. जमीन को छूने से मालाएँ मैली अथवा गंदी न हों; इसका ध्यान रखें ।

मेरी कृति

१. सूखी टहनियाँ, फूल, घास, कागज आदि का उपयोग सजावट कार्य के लिए कैसे करेंगे ?

२. फूलों की मंडी में जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करो ।

- आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें । विद्यार्थियों को उनकी कल्पनाओं के अनुसार कृति करने दें ।
- फूल मंडी के बारे में अधिक जानकारी दें ।

(२) जल साक्षरता

२.१ घरेलू पानी का किफायती उपयोग करना ।

पानी के घरेलू उपयोग

घरेलू कार्यों के लिए पानी का निम्न प्रकार से उपयोग किया जाता है ।

कपड़े धोने और बरतनों की सफाई के लिए

पीने के लिए

हाथ धोने के लिए

रसोई बनाने के लिए

बागबानी करने और पेड़–पौधों के लिए

- पानी के उपयोग के संबंध में आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें ।
- पानी का उपयोग कैसे करें और उसको कैसे बचाया जाए; इसपर चर्चा करवाएँ ।

नीचे दिए चित्रों को देखो। सही और गलत कृतियों को पहचानो। सही कृति के आगे (✓) और गलत कृति के आगे (✗) चिह्न लगाओ।

चित्र	सही/ गलत	चित्र	सही/ गलत

- पानी के उपयोग को लेकर सही और गलत कृति कौन-सी है यह बताओ।
- पानी को किस प्रकार बचाया जा सकता है; इसपर चर्चा करवाएँ। घरेलू पानी का हिसाब रखना सिखाएँ।

२.२ खेती और कारखानों में पानी का उपयोग किफायत से करना ।

(१) खेती के लिए पानी

हमें खेतों से अनाज प्राप्त होता है । खेती के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है । पानी न मिले तो फसलें सूख जाती हैं । वर्षा पर्याप्त होने पर अनाज की उपज अधिक होती है परंतु कभी–कभी तो बरसात बहुत कम होती है । कुछ स्थानों पर तो बरसात होती ही नहीं है ।

ऐसे समय खेती के लिए कुओं, नदियों और तालाबों का पानी उपयोग में लाया जाता है । यह पानी इकट्ठा किया जाता है । इसलिए यह व्यर्थ न जाए; इसका ध्यान रखना चाहिए ।

- फसलों को उतना ही पानी दें जितना उनके लिए आवश्यक है ।
- कम पानीवाली फसलें उगाएँ ।
- फसलों की जड़ों में पानी दें ।
- फौव्वारा सिंचाई, टपक सिंचाई जैसी सिंचाई प्रणालियों का उपयोग करें ।

टपक सिंचाई

फौव्वारा सिंचाई

मेरी कृति

विद्यालय का बगीचा, घर के पिछवाड़ेवाला बगीचा अथवा गमलों में लगाए हुए पौधों में उनकी आवश्यकतानुसार पानी दो ।

◆ जिन खेतों में अधिक पानी दिया जाता है तथा जिन खेतों में आवश्यक उतना ही पानी दिया जाता है : ऐसे दोनों प्रकार के खेतों में जाएँ । दोनों खेतों में पाए जाने वाले अंतर को समझाएँ । ◆ निकट के किसी कारखाने / लघु उद्योग देखने जाएँ और वहाँ होने वाली पानी की आपूर्ति के विषय में विद्यार्थियों को समझाकर बताएँ ।

(३) आपदा प्रबंधन

प्राकृतिक आपदा (फिल्मों, चित्रों द्वारा आपदाओं की पहचान)

आपदा का अर्थ संकट है ।

चित्रवाचन : १

इस चित्र में तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है?

.....

.....

.....

.....

चित्रवाचन : २

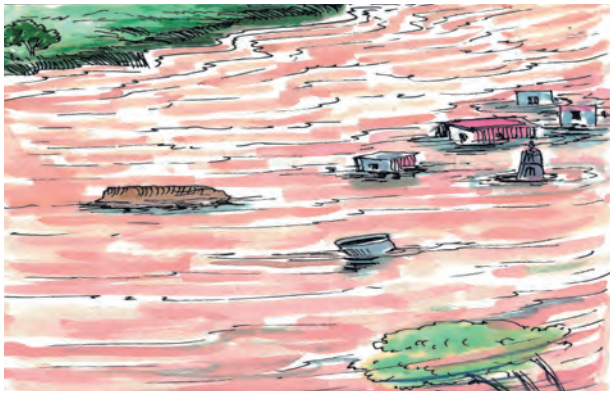

इस चित्र में तुम क्या देख रहे हो?

.....

.....

.....

.....

चित्रवाचन : ३

इस चित्र में आग कहाँ लगी है? इसका परिणाम क्या हुआ है?

.....

.....

.....

.....

जंगल में लगी आग को 'दावानल' कहते हैं ।

- वातावरण में होने वाले परिवर्तन के कारण भूकंप, आंधी, बाढ़, दावानल जैसी आपदाएँ आती हैं और बहुत बड़ी हानि उठानी पड़ती है । ऐसी आपदाओं को प्राकृतिक आपदाएँ कहते हैं; यह विद्यार्थियों को समझा दें ।